अखिल भारतीय गहोई वैश्य महासभा की तृतीय कार्यकारिणी बैठक कार्यवाही

गहोई वैश्य धर्मशाला गोपालगंज, उरई दिनांक 23 अगस्त 2015 रविवार

(महासभा पदाधिकारियों एवं आमंत्रित समाजसेवियों हेतु आवास व्यवस्था होटल शांति पैलेस में की गई थी)

गहोई सेवा मण्डल उरई के अध्यक्ष अनुभवी समाजसेवी डॉ दिलीप सेठ ने मंच संचालन के दायित्व के साथ महासभा के पदाधिकारियों को अतिथि स्वरूप मंच पर ससम्मान आमंत्रित किया। ध्वजारोहण के साथ महासभा ध्वजगीत का गान श्री हरनारायण रिखोल्या संपादक गहोई बंधु द्वारा कराया गया तत्पश्चात सूर्य भगवान व राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्तजी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित किया गया। सेवा मण्डल उरई के पदाधिकारियों को मंच पर आमंत्रित कर परिचय कराया गया फोटो सेशन के साथ स्वागत उदबोधन हुआ और संचालन का दायित्व महासभा के महामंत्री श्री सतीश महतेले को सौंप दिया गया।

श्री सतीश महतेले ने सभी के प्रति एवं उरई सेवा मण्डल के पदाधिकारियों के लिये कृतज्ञता व्यक्त की एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री कैलाशनारायण सांवला से कार्यकारिणी बैठक प्रारम्भ करने की अनुमति ली।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री कैलाशनारायण सांवला द्वारा स्वागत उदबोधन देते हुए महासभा के अधिवेशन को भोपाल में आयोजित करने हेतु मध्यमालवा क्षेत्रीय सभा एवं भोपाल पंचायत के पदाधिकारियों सहित संयोजक श्री योगेश नौगरैया व स्वागत अध्यक्ष श्री देवेन्द्र बिस्वारी जिन्होंने 5 लाख एक हजार रूपये जमा कर अधिवेशन खाता शुभारम्भ कर दिया है, को मंच पर अभिनन्दन किया। उन्होंने कहा कि राजनैतिक वजूद बनाने के लिये गहोई समाज की इच्छा के आधार पर हमने अधिवेशन हेतु भोपाल या लखनऊ स्थान सोचा था और भोपाल तय होने पर अत्यंत प्रसन्नता है। यह महासभा की दूसरी शताब्दी का प्रथम अधिवेशन होगा जिसे हम सब मिलकर भव्य रूप में यादगार बन जाये ऐसा मनायें जो आने वाले सौ साल तक न भूले। महासभा में मेरे अध्यक्ष निर्वाचित होने के बाद से राजाबेटी भवन कानपुर, नाथूराम मोतीलाल सोनी अनाथालय जबलपुर, गहोई भवन नयागांव चित्रकूट, अक्षय निधि, अधिवेशन के निर्धारण एवं स्वरूप, महासभा व गहोई बंधु की सदस्यता आदि सभी बिंदुओं पर प्रगति हुई है। महासभा के आजीवन सदस्य 1300, संरक्षक सदस्य 30, गहोई बंधु के आजीवन सदस्य 467, संरक्षक सदस्य 4, वार्षिक सदस्य 1360 बने हैं तथा अक्षय निधि में 1,11,111 रूपये जमा वृध्दि हुई है और 1,25,000 रूपये अक्षय निधि से सहयोग स्वरूप महासभा द्वारा प्रदान किये गये हैं। 'जो झुकता है वह जीवित है और जो अकड़ता है वह मुर्दा है' इस लिये हमें विनम्रता से समाज का कार्य करने में विश्वास करना है। मैने अभी 50 पंचायतों का भ्रमण किया है, हैदराबाद में वैश्य महासम्मेलन में गहोई समाज का नेतृत्व किया। राजनैतिक प्रकल्प के अध्यक्ष श्री धर्मेंद्र बड़ेरिया के साथ मिलकर राजनैतिक व जनपद मण्डलों में गहोई समाज के लोगों को स्थान मिले ऐसा संपर्क व प्रयास कर रहा हूँ। मै अपने लिये कुछ नहीं मांगता 24 घण्टे 365 दिन महासभा के समाज के काम के लिये तत्पर हूँ, मैं तो स्वयं अपने खर्च पर सब भ्रमण भी करता हूँ कोई व्यय नहीं लेता, आप सबने मुझ पर विश्वास करके जो अध्यक्ष का दायित्व सौंपा है उस पर मैं खरा उतरने का प्रयास कर रहा हूँ। जिन पदाधिकारियों को मनोनीत किया गया है उनसे निवेदन करता हूँ कि अक्षयनिधि में सहयोग करें यह 'मस्ट बी कम्पलसरी' है, बंधु में प्रकाशित किया पर अभी तक किसी ने दान नहीं दिया, हॉ रिकमण्डेशन जरूर भेजी है कि इस जरूरतमंद को राशि स्वीकृत कर दो। वैश्य महासम्मेलन में गहोई समाज पॉचवें स्थान पर आ गया है, वहॉ ग्यारह लाख ग्यारह हजार के फाउण्डर मेम्बर हैं उनमें गहोई समाज से कोई नहीं है। हमारी भी जिम्मेदारी बनती है कि आप हमें जो पैसा समाज के लिये दानस्वरूप देते हैं उसकी फिजूलखर्ची न हो पावे। सकारात्मक सोच, ऊॅची सोच रखें, तभी सबका साथ समाज का विकास सम्भव होगा। बंधु में मेरी अध्यक्षीय पाती पढकर भावना को समझें किसी को नीचा दिखाने की इच्छा मेरी नहीं रहती।

आपने मुंशी प्रेमचंद की पंच परमेश्वर कहानी पढ़ी होगी जिसमें – अलगू चौधरी और जुम्मन शेख घनिष्ठ मित्र रहते हैं, श्री राधेश्याम कुचिया जी भी मेरे मित्र थे–हैं, पर यदि मुझ पर ईमानदारी का फैसला करने का वक्त आयेगा तो जुम्मन शेख जैसा पंच परमेश्वर का फैसला लूँगा यह विश्वास आज आप सभी को दिलाता हूँ।

श्री आर.एन.गुप्ता निर्वाचन आयुक्त ने मनोनीत पदाधिकारी श्री सुदामाप्रसाद सिजारिया मिहोना, श्री राकेशचंद्र रावत लखनऊ, श्री एस.एल.नौगरैया न्यायाधिकरण अध्यक्ष, एवं राजीव कुमार रावत इंदौर को पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई। यह बैठक गंगाजमुना क्षेत्रीय सभा के अंतर्गत हो रही है इसलिये अध्यक्ष श्री शशिकांत निगोती को स्वागत वंदन के लिये आमंत्रित किया गया जिन्होंने गीत के माध्यम से अपना स्वागत भाव व्यक्त किया।

एजेण्डा के क्रमांक 4 अनुसार पिछली कार्यकारिणी बैठक की पुष्टि ताली बजाकर सहमति दी गई।

एजेण्डा के क्रमांक 5 अनुसार नाथूराम मोतीलाल सोनी अनाथालय जबलपुर, रामजानकी मंदिर, राजाबेटी भवन व गहोई संस्कार के प्रकाशन पर आपत्ति कार्यवाही की चर्चा हुई।

श्री कैलाशनारायण रावत एडवोकेट मंत्री न्यायाधिकरण ने बताया कि महासभा के पंजी.क्रमांक 328 वर्ष 1985–86 के बाईलॉज में जो संपत्तियों की व्यवस्था की गई है उस संबंध में दायरा सीमाऐं एवं कार्य करने का अधिकार मनोनयन के बारे में अध्ययन किया– चित्रकूट भवन के बादे में जो निर्णया हुए हैं उनका रिकार्ड देखा। सोनी अनाथालय के बारे में मैने अध्यक्ष जी व अन्य के साथ जबलपुर जाकर पूरा रिकार्ड श्री अरूण नीखरा से देखकर परसेसन किया वकील श्री मिश्रा जी से संपर्क कर रिकार्ड देखा समझा। श्री प्रशांत मरेले जबलपुर में नहीं थे भोपाल में होने की जानकारी अनुसार फोन पर बात की– मैं विवाद सुलझाने की सम्मानजनक स्थिति चाहता हूँ, क्योकि आज यहॉ बैठक में दोनों श्री नीखरा व श्री मरेले आये हुए हैं मैं उनके साथ अलग से बैठकर इस महत्वपूर्ण मामले को सुलझाने का प्रयास करना चाहता हूँ। चंबल क्षेत्रीय सभा का विवाद लहार जाकर सुलझा लिया जावेगा। मै महासभा के 2000 और बंधु के 500 सदस्य बनाने के अभियान पर भी काम कर रहा हूँ। राजाबेटी भवन की प्रगति के बारे में महामंत्री ने बताया कि मेरे संपर्क करने पर श्री अखिलेश गहोई ने पूरी जानकारी दी थी। श्री फूलचंद सेठ जबलपुर से गहोई संस्कार पत्रिका का प्रकाशन कर रहे हैं, वे जबलपुर इकाई के वरिष्ठ संघ अध्यक्ष हैं उनको भेजे गये नोटिस पत्र का वाचन किया, जबाब 20 दिन के अंदर मॉगा गया था परंतु कोई उत्तर नहीं आने पर अध्यक्ष जी से सलाह निर्देशानुसार उन्हें एक मौका दिया जाय एक पत्र और लिखकर जबाब मॉगा जाय।

एजेण्डा के क्रमांक 6 अनुसार आय व्यय का प्रस्तुतीकरण श्री राकेश लहारिया कोषाध्यक्ष ने करते हुए बताया कि इस सत्र में 01 अप्रेल से 30 नवंबर 2014 तक का आय व्यय हिसाब श्री राजेन्द्र नीखरा द्वारा किया गया है। आय व्यय का विवरण देते हुए पत्रक उपस्थित जनों का वितरित किये गये।

एजेण्डा के क्रमांक 7 के अनुसार बयालिसवें महासभा अधिवेशन के संयोजक श्री योगेश नौगरैया ने अवगत कराया कि पॉच सदस्यीय एक समिति का गठन कर लिया गया है। आयोजन हेतु सम्मान समिति, भोजन, आवास, परिवहन, जुलूस, धनसंग्रह, पत्रिका प्रकाशन, पंजीयन आदि अन्य समितियों का गठन किया जाना है जो क्षेत्रीय सभा के सहयोग से बनेंगी जिससे अधिक भीड़ को भी अच्छे से पूरी व्यवस्थाओं का लाभ दिलाया जा सके ऐसा प्रयास है बंधु के माध्यम से और जानकारी सभी से मॉगी गई है। श्री देवेन्द्र बिस्वारी स्वागताध्यक्ष ने कहा कि ईमानदारी व लगन निष्ठा से हम सब मिलकर भव्यतम कार्यक्रम आयोजित करेंगे ऐसा विश्वास दिलाते हैं।

पूर्व महासभा अध्यक्ष श्री जुगलकिशोर मातेले ने उरई का संधि विग्रह कर उर– हृदय में, ई– ईश्वर का वास जैसी पवित्र भावना से महान समाजसेवी श्री झुण्डीलाल मसुरहा की कर्मस्थली में हो रही इस बैठक को महत्वपूर्ण बताते हुए स्वयं की वेशभूषा जो रंग बिरंगी विशेष त्यौहार में पहनने वाली परिलक्षित है, को इस अवसर से जोड़ा। बैठक आयोजक डॉ दिलीप सेठ के अनुभव से बैठक में

महत्वपूर्ण निर्णयों की अपेक्षा व्यक्त की। विगत दो अधिवेशन का अनुभव बताते हुए उन्होंने सलाह दी कि विवादों का पहले निराकरण कर लें नही ंतो सार्थकता और मूल्यों को खोने का संशय रहेगा। महासभा के उस प्रस्ताव से अवगत कराया जिसके द्वारा महासभा साइकिल उद्योग लगाने का विचार कर रही थी जब एटलस और हर्क्युलिस कंपनी की साइकिल बाजार में नहीं थी।

श्री विनोद झुडेले मध्यमालवा क्षेत्रीय सभा अध्यक्ष ने अनुरोध किया कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में आप सभी भोपाल पहुॅचें यही आप सबका सबसे बड़ा सहयोग रहेगा।

श्री भगवानदास बिलैया अध्यक्ष भोपाल पंचायत ने कहा कि हम सब मिलजुलकर भव्यता से अधिवेशन करने की इच्छा रखते हैं इस भावना में सहयोगी बनें।

श्री धर्मेंद्र बड़ेरिया अध्यक्ष राजनैतिक प्रकल्प ने अपेक्षा व्यक्त की कि आयोजन के समय 20–30 मिनट राजनैतिक मार्गदर्शक व स्तम्भ पुरूषों का सम्मान करने हेतु प्रदान किया जावे।

डॉ कृष्णकुमार हूॅका जबलपुर ने मातेले जी के बताये हुए सफलता के सूत्र को अपनाने पर जोर देते हुए कहा कि धीरज अर्थात सब्र, निंदा नहीं करना है, असफलताओं को गिनाना नहीं है। सुरक्षा समिति अवश्य बनायी जावे। 1962 के भोपाल अधिवेशन का स्मरण दिलाते हुए अप्रिय घटना से बचाव रखने का सुझाव दिया। जबलपुर के श्री फूलचंद सेठ की पत्रिका के बारे में बताया कि उसमें जितने लेख रहते हैं वे सब उनके खुद के परिवार द्वारा लिखे जाते हैं। महासभा के नोटिस पत्र के संबंध में श्री सेठ ने उपेक्षित भाव से हल्केपन से कहा था कि – अरे, फरमान आया था मैं उसका उत्तर देने लायक नहीं समझता' इसलिये श्री हूॅका ने मॉग की कि इस नोटिस पत्र के संदर्भ में महासभा को गहराई से निर्णय करना चाहिये ताकि भविष्य में महासभा को कोई हल्केपन में लेने का साहस न कर सके।

श्री पंकज कंदेले पुणे ने गहोई वैश्य महासभा की वेबसाइट बनाने व गहोई बंधु सहित पूरी जानकारी के साफटवेयर बनाकर इंटरनेट से उपलब्ध कराने की योजना से अवगत कराया।

श्री आलोक टिकरया अध्यक्ष विंध्य क्षेत्रीय सभा ने सुझाव दिया कि– क्षेत्रीय सभा को विज्ञापन आदि का टारगेट देकर लोगों को अधिवेशन में सम्मानजनक संख्या लाने की जिम्मेदारी दी जाये। विषय में पारंगत लोगों को मार्गदर्शन हेतु रखे, क्षेत्रीय सभा का प्रतिवेदन देने का समय निश्चित रखा जावे। गहोई बंधु कहीं भी समय पर नहीं मिल रही है इस पर चिंता व्यक्त की।

श्री कैलाशनारायण सांवला ने अवगत कराया कि गहोई बंधु हर माह 7 तारीख को डिस्पेच होती है। इस माह इटारसी ब्रेकडाउन के कारण रेलों का आवागमन बाधित होने से व्यवस्था बिगड़ गई थी। गोडाउन में बोरों में पडी डाक आर एम एस वालों से बात कर श्री आर के सेठ का सहयोग मिला, दो चार दिन में मिलना शुरू हो जायेगी।

श्री मदन छिरोल्या ने क्षेत्रीय सभाओं से तालमेल और परस्पर प्रतिस्पर्धा बनाकर ज्यादा संख्या में पहुॅचने की अपील की।

श्री सांवला जी ने अंतर्राष्ट्रीय प्रकल्प की जिम्मेदारी से अवगत कराते हुए श्री मदन छिरोल्या से कम से कम दस देशों से गहोई समाज के प्रतिनिधियों को अधिवेशन में सम्मिलित कराने की जिम्मेदारी सौंपी।

डॉ सुशील सोनी– ने सुझाव दिया कि प्रेाटोकाल का ध्यान रखा जावे, पहले चुनाव होते थे इसलिये अधिक संख्या में लोग आते थे इस बार अधिवेशन में आकर्षण नहीं रखा। एक परिचर्चा रखें जिसका विषय हो राजनीति में समाज का घटता कद। नवयुवक मण्डल व महिला सभा पदाधिकारियों को अधिवेशन की जिम्मेदारी से जोडा जावे।

श्री रमेश सेठ झांसी, उपाध्यक्ष महासभा– अधिवेशन भोपाल में है जो हृदय स्थल है भारत का। राजनीति में अपना स्थान बनाने यह ध्यान रखें कि– जित्ती जिसकी संख्या भारी, उत्ती उसकी जिम्मेदारी।।

जैसे नोबेल प्राइज दिया जाता है उसी प्रकार गुप्तजी के नाम पर विशेष सम्मान दिया जावे जो अन्य प्रदेशों तमिल कन्नड में भी जाना जावे।

श्री गनपतराम नीखरा वरिष्ठ संघ कार्यकारी अध्यक्ष द्वारा श्रीमती शांतिबाई कंथरिया उरई को सिलाई मशीन प्रदान की गई।

श्री भोगीलाल बिलैया कार्यकारी अध्यक्ष ने सुझाव दिया कि अधिवेशन कम खर्चे में भी हो सकता था पर राजनीति के क्षेत्र में पकड़ बनाने के लिये ही यह अधिवेशन भोपाल में करने का निश्चय अध्यक्ष श्री सांवला जी ने किया इसलिये ज्यादा लोग भोपाल पहुॅचे यह आव्हान करता हूॅ।श्री प्रमोद सेठ भारती नवयुवक मंडल कार्यकारी अध्यक्ष ने समन्वय समिति बनाकर उनके अनुसार निर्णय करने का सुझाव दिया और गुप्त जी के साहित्य पर परिचर्चा रखने तथा उनके साहित्य की प्रदर्शनी लगाने का सुझाव दिया।

श्री राजीव सादेले निवर्तमान महामंत्री ने हरिद्वार में खरीदी गई भूमि के संबंध में पूरी तत्कालीन परिस्थितियों से अवगत कराते हुए महासभा निवर्तमान अध्यक्ष श्री राधेश्याम कुचिया द्वारा समाज को धोखा देकर स्वयं के नाम अलग ट्रस्ट बनाने पर व्यक्त विरोध की जानकारी विस्तार से दी।

श्री प्रकाश नौगरैया पूर्व उपाध्यक्ष महासभा ने रजिस्टार द्वारा बनाई गई जॉच समिति की रिपोर्ट के बिंदुओं के आधार पर महासभा निवर्तमान अध्यक्ष श्री राधेश्याम कुचिया द्वारा पद पर रहते हुए पद का दुरूपयोग कर सामाजिक संपर्क भ्रमण व महासभा बैठकों में धन एकत्र कर विधान के विरूध्द जाकर एफ डी गिरवी रखकर ऋण लेकर एडवांस दिया गया, गलत तरीकों से गहोई बंधु और अक्षय निधि के खातों से चैक जारी कर भुगतान किये गये और अंत में बैनामा रजिस्ट्री अलग न्यास बनाकर करवाई गई यह महासभा के साथ किया गया धोखा जालसाजी है, जिसके लिये श्री कुचिया व उनके साथी दोषी हैं, विवाद को समाप्त करने हेतु एक ही उपाय है कि उन्हें यह न्यास महासभा को समर्पित कर देना चाहिये अन्यथा न्याय के लिये मैं आगे भी लडूॅगा, आने वाले 2 अक्टूबर गॉधी जयंती पर अनशन भी करूॅगा।

श्री सतीश सेठ संगठन मंत्री महासभा ने श्री राजीव सहदेले तत्कालीन महामंत्री महासभा को गहोई बंधु कार्यालय में प्रेषित ई मेल पत्र दिनांक 07 सितम्बर 2013, करैरा कार्यकारिणी बैठक दिनांक 26 मार्च 13 एवं भिलाई कार्यकारिणी बैठक दिनांक 26 अगस्त 2012 में रखे जाने हेतु इन्हीं बिंदुओं के संबंध में लिखित पत्रों के तथ्यों की अवहेलना से निर्मित इस विकराल समस्या पर प्रस्तुत श्री प्रकाश नौगरैया की बातों का समर्थन करते हुए उपस्थित सदस्यों से उनकी इच्छा जाननी चाही तब पूरे सदन ने खड़े होकर हाथ उपर कर श्री प्रकाश नौगरैया को समर्थन दिया तथा सर्वसम्मति से यह प्रस्ताव पारित किया कि महासभा के अध्यक्ष पद पर रहकर श्री कुचिया जी द्वारा हरिद्वार में भूमि महासभा के धन से खरीदी गई है वह महासभा की ही है इसलिये कूटरचित ढंग से बने न्यास को महासभा में समर्पित कर देना चाहिये अन्यथा दोषियों के विरूध्द उचित कार्यवाही की जावे। इस प्रकरण पर राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री कैलाशनारायण सांवला, श्री राधेश्याम सेठ मंत्री महासभा, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जुगलकिशोर मातेले, श्री राकेश लहारिया कोषाध्यक्ष, डॉ दिलीप सेठ उरई, जॉच समिति सदस्य श्री हरिबाबू सेठ डबरा एवं श्री गौरीशंकर रावत नागपुर ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

मध्यान्ह अवकाश अपरान्ह 2.30 से 3.30 बजे भोजन इत्यादि के बाद फिर से बैठक प्रारंभ हुई जिसमें श्री केशव नीखरा अध्यक्ष चंबल क्षेत्रीय सभा ने अधिवेशन में ज्यादा उपस्थिति का संकल्प लिया।

श्री विनोद सेठ भौंती ने भोजन के मीनू को छोटा रखने एवं रात में कवि सम्मेलन आयोजित करने का सुझाव रखा।

श्री रामप्रकाश हथनोरिया प्रचार मंत्री बुंदेलखण्ड क्षेत्र ने प्रकाशित होने वाली स्मारिका के संबंध में कहा कि उसमें पूरे पेज रंगीन हो जाते हैं पर उसकी सामग्री भी ज्यादा उपयोगी हो इस बात का ध्यान रखा जावे चाहे वह ब्लेक एंड व्हाइट पेज में प्रकाशित हो।

श्री प्रेमनारायण लहारिया भोपाल ने अधिवेशन स्थन पर बनाये जाने वाले मण्डप का नाम महासभा संस्थापक श्री नाथूराम रेजा के नाम पर रखने का सुझाव दिया और क्षेत्रीय सभाओं के माध्यम से गले में लगाने परिचय पत्र बनवाये जावें, श्री बल्देवप्रसाद मातेले के नाम पर मंच का नाम रखा जावे। श्री जुगलकिशोर मातेले से आग्रह किया कि वे अधिवेशन पर उपस्थित रहकर अपना मार्गदर्शन सभी को दें।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सांवला जी ने भोपाल अधिवेशन में होने वाला खर्च कम पड़ने पर महासभा से दस लाख रूपये स्वीकृत करने का प्रस्ताव रखा, इसी अवसर पर उन्होंने श्री जुगलकिशोर मातेले की ओर से एक लाख की राशि घोषित करने का अनुरोध किया।

एजेण्डा के क्रमांक 10 के अनुसार श्री प्रशांत मरेले जबलपुर ने सोनी अनाथालय प्रकरण के संबंध में बताया कि तत्कालीन महासभा अध्यक्ष श्री जुगलकिशोर मातेले ने 20.04.2006 को श्री अरूण नीखरा को अधिकार पत्र लिखा था जिसमें एकल सही से बैंक खाता संचालित करने का अधिकार दिया जो विधानसंगत नहीं है। एक ट्रस्टी का मृत्यु प्रमाण पत्र लगाकर अन्य सभी न्यासी सदस्यों के स्थान पर नये न्यासी मनोनीत किये गये जो न्यायसंगत नहीं है। श्री अरूण नीखरा द्वारा प्रबंध न्यासी पद से त्यागपत्र दे दिया गया है। माननीय न्यायालय द्वारा 16.03.2009 के आवेदन पर विधिपूर्वक कार्यवाही करने हेतु निर्देश जारी किये जा चुके हैं, इस संबंध में दिनांक 28.03.2015 को अंतिम अवसर दिया गया था।

श्री जुगलकिशोर मातेले ने कहा कि मेरे द्वारा दिये गये अधिकार पत्र का गलत दुरूपयोग किया गया। इस पर श्री अरूण नीखरा जबलपुर ने कहा कि मामला चूँकि गम्भीर हो गया है इसलिये दोनों महामंत्री ध्यान दें पूर्व और वर्तमान– दो चीजें आपस में मिलने नहीं देतीं 'ईगो और तोंद' अधिकार पत्र में ट्रस्टी नहीं प्रबंधक एवं व्यवस्था प्रभारी लिखा है लैटर हैड पर भी यही लिखा गया है। अनाथालय की मूल डीड मैंने एडवोकेट श्री रमेश चौदहा सागर से निकलवाकर महासभा को दी है। ट्रस्ट का पंजीयन कहॉ होता है लोकन्यास में या फर्म सोसायटी में, अनाथालय राजसात होने के आदेश हो गये थे पंजीयन रदद हो गया था तब मैने ही उसे बचाया।

इस पर श्री जुगलकिशोर मातेले ने कहा कि अनाथालय के बारे में मुझे ज्यादा कुछ नहीं मालूम था जबलपुर से गहोई सूर्य मासिक पत्र निकलता था जिसके संपादक सतीश सेठ सदन में हैं, उसको पढकर मुझे जानकारी लगी फिर मैने महासभा के हित में उसके अन्य दस्तावेज प्राप्त करने हेतु श्री अरूण नीखरा को अधिकृत किया था। महामंत्री श्री सतीश महतेले ने कहा कि समाजहित में हम सभी को अपने अहम त्यागने होंगे। श्री कैलाशनारायण गुप्ता रावत एडवोकेट मंत्री न्यायाधिकरण ने कहा महासभा की ओर से सम्मानजनक हल निकालने के प्रयास हैं आप सभी सहयोग करें।

इस बीच श्री संजय पटवारी ने प्रदेश व देश की शासकीय योजनाओं से संबंधित जानकारियों वाला स्टाल अधिवेशन स्थल पर लगाने का सुझाव दिया। उन्होंने गहोई ग्लोबल चेम्बर ऑफ कामर्स की ओर से इच्छुक गहोई जनों को विदेशभ्रमण की योजना से अवगत कराया जिसमें 35000/रूपये जाने के इच्छुक सदस्य जमा करें शेष यदि ज्यादा खर्च होगा तो महासभा की ओर से कुछ दानदाताओं से प्रायोजित सहयोग करवाने का आश्वासन श्री सांवला जी ने दिया।

श्री योगेश नौगरैया अधिवेशन संयोजक ने सभी को अपने सुझाव भेजने के लिये अनुरोध किया और अस्थाई कार्यालय जहॉ से अधिवेशन संबंधी कार्यवाही की जावेंगी उसकी जानकारी प्रदान की।

श्री राजीव सहदेले ने कहा कि विधान संशोधन की बैठक ग्वालियर में हो चुकी है आज की बैठक में श्री कैलाशनारायण कनकने संयोजक जी नहीं आ पाये हैं और ये पूरे बिंदु बताने में लगभग आधा घंटा लगेगा इसलिये आगामी कार्यकारिणी बैठक जो अधिवेशन के एक दिन पहिले होगी उसमें प्रस्तावित कर विस्तार से अवगत करा दिया जावेगा।

श्री सतीश सेठ ने विधान संशोधन से संबंधी सुझाव संक्षिप्त में रखते हुए कहा कि किसी भी संस्था का विधान उसकी आत्मा होती है इसलिये हम सभी पदाधिकारी जब शपथ लेते हैं तब ही से नियम और

मर्यादा का पालन आवश्यक हो जाता है, इसलिये सभी पदाधिकारी गंभीरता से इसका अध्ययन करें जानें और पालन करें तभी अन्य को हम विधान के अनुसार आचरण करने, ध्वज, ध्वजदण्ड, संस्था के दस्तावेज, प्रमाण पत्र, सम्मान, अलंकरण आदि प्रदान करने हेतु प्रेरित कर सकेंगे। विधान संशोधन संबंधी प्रस्ताव की लिखित प्रतिलिपि महामंत्री के निर्देशानुसार संयोजक विधान संशोधन के नाम श्री राधेश्याम सेठ के माध्यम से प्रदान की।

बैठक के अंतिम चरण में राजाबेटी भवन कानपुर के किराया बढ़ाने संबंधी चर्चा हुई ।

श्री सतीश महतेले महामंत्री ने प्रकोष्ठों के निर्वाचन के संबंध में अवगत कराया कि न्यायालयीन प्रक्रिया के निर्देशानुसार आपको बंधु के माध्यम से सूचित किया जावेगा। शाम 5.30 पर आभार व्यक्त कर बैठक समाप्त घोषित की गई।

श्री हरनारायण रिखोल्या संपादक बंधु ने महासभा से जुड़ें सदस्यों के परिजनों का दुखद निधन हो जाने पर दो मिनट का मौन रख महासभा की ओर से शोक श्रध्दांजलि समर्पित की ।

– सतीश सेठ (जबलपुर), संगठन मंत्री अ.भा.गहोई वैश्य महासभा